भगवान व्यक्ति के कर्मों से ही प्रसन्न होते हैं : वंदना श्रीजी

श्रीमद् भागवत कथा में भगवान कृष्ण की लीलाओं का कलाकारों ने किया मंचन, उमड़े हजारों भक्त

चैतन्य लोक • इंदौर

chaitanyalok.page

भगवान व्यक्ति के कर्मों से ही पसंद होते हैं पुराणों की कथा प्रतिदिन सुनना चाहिए मन सायमित होता है। कथा सुनने से विश्वास होता है कि हमें जीवन में बुरा कर्म नहीं करना चाहिए गलत रास्ते पर नहीं जाना, वाणी मीठी होनी चाहिए। जो व्यक्ति हनुमान जी का भजन स्मरण करता है उसके सारे संकट दूर हो जाते हैं। जीवन में मनुष्य उच्च पद पर प्रतिष्ठित हो जाए तो उसे कभी अहंकार नहीं करना चाहिए। किसी व्यक्ति के सुख देखकर कभी जलना नहीं चाहिए। सुखी होने के लिए व्यक्ति के दुःख को देखो और उनके दुख में सहभागी बनो। बिना कर्म के जीवन में कुछ नहीं मिलता सब कर्मों का ही फल मिलता है कभी किसी की निंदा और बुराई नहीं करना चाहिए जीवन में सब को आगे बढ़ाना है कार्य करो। कभी किसी को पीछे मत करो जीवन में आनंद ही आनंद करो कभी दुःखी मत हो। जीवन में पुरुष कभी स्त्रियों का अपमान नहीं करें हमेशा स्त्रियों का सम्मान करें। जीवन में असत्य कभी नहीं बोले हमेशा सत्य ही बोले। यह बातें ब्रज रत्न वंदना श्रीजी ने रसोमा चौराहा स्थित आनंदम क्लब एंड रिसॉर्ट में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद् भागवत महापुराण कथा के छठवें दिन कही। उन्होंने कहा कि जीवन में भगवान का स्मरण करके हर कार्य की शुरुआत करना चाहिए।

आयोजन प्रमुख गणेश गोयल और राज दीक्षित ने बताया कि श्रीमद् भागवत कथा में सैकड़ों महिलाओं ने भजनों पर नृत्य किया। सभी भक्तों ने कृष्ण की बाल लीलाओं का आनंद लिया। 65 से अधिक कलाकारों ने भगवान कृष्ण की लीलाओं का मंचन किया। प्रतिदिन भक्तों को भोजन प्रसादी का वितरण किया जा रहा है इसमें रोज अलग-अलग व्यंजन बनाए जा रहे हैं। चलित व्यवस्था के तहत सैकड़ों भक्त व्यवस्थित लाइन में लगकर महाप्रसादी ले रहे है श्रवण करने बड़ी संख्या में श्रद्धालु आए। कथा में वंदना श्री जी ने विभिन्न प्रसंगों का वर्णन किया।

कथा में भगवान की लीलाओं का कलाकारों ने मनमोहक नाट्य मंचन भी किया। व्यासपीठ का पूजन अर्चन और आरती विधायक रमेश मेंदोला, एमआईसी सदस्य जीतू यादव, वीरेंद्र व्यास, गणेश गोयल, पार्षद मनोज मिश्रा, राज दीक्षित, चंदू कुंजीर, बालमुकुंद सोनी, कालू गगोरे ने किया।